‘चंदैनी गोंदा- एक सांस्कृतकि यात्रा’

चर्चा में क्यों?

29 जुलाई, 2021 को **छत्तीसगढ़ वधिानसभा अध्यक्ष डॉ. चरणदास महंत** और **मुख्यमंत्री भूपेश बघेल** ने **डॉ. सुरेश देशमुख** द्वारा लखिति **‘चंदैनी गोंदा- एक सांस्कृतकि यात्रा’** पुस्तक का वमिोचन कयिा।

प्रमुख बदिु

- इस पुस्तक में वस्तुत: नई पीढ़ी को दाऊ **रामचंद्र देशमुख के व्यक्तत्वि और कृतत्वि** से समग्र रूप से परचिति कराने का प्रयास कयिा गया है।
- ज्ञातव्य है कि‘चंदैनी गोंदा छत्तीसगढ़ की सांस्कृतकि यात्रा’ स्मारकिा का प्रकाशन 7 दसिंबर, 1976 को चंदैनी गोंदा के 25वें प्रदर्शन के अवसर पर हुआ था। इसके संपादक धमतरी के साहत्यिकारद्वय **सर्वश्री नारायण लाल परमार** और **त्रभिुवन पांडे** थे।
- इस स्मारकिा के प्रकाशन के 45 वर्षों के उपरांत इसके द्वतीय संस्करण को संशोधति और परविर्धति रूप में प्रकाशति कयिा गया है।
- इस संस्करण में दाऊ रामचंद्र देशमुख द्वारा सृजति **देहाती कला वकिास मंडल (Dehati Kala Vikas Mandal) से लेकर चंदैनी गोंदा** की नर्मािण प्रक्रयिा और उसके वसिर्जन तथा कारी की सर्जना तक की सांस्कृतकि यात्रा को 488 पृष्ठों के इस पुस्तक में समाहति कयिा गया है।
- डॉ. देशमुख ने अपने इस शोधपूरण ग्रंथ में दाऊ जी और उनकी कृतयिों से जुड़े छोटे-बड़े सभी कलाकारों और साहत्यिकारों का वर्णन कर उनके अवदानों को भी रेखांकति कयिा है।
- यह पुस्तक **छत्तीसगढ़ में लोककला, संगीत और लोक संस्कृत**ि को जानने तथा समझने का प्रयास करने वालों के लयि एक अनुपम उपहार के रूप में है। यह न केवल पठनीय है, अपतिु संग्रहणीय भी है, जसिसे भवषि्य में लोककला के शोधार्थयिों के लयि यह संदर्भ ग्रंथ का काम करेगा।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/chandaini-gonda-ek-sanskritik-yatra